फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 37 प्रभात जयपुर, सोमवार 7 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Slap That Changed Indian History

Nawab Siraj-ud-Daulah demanded a massive tribute of Rs. 3 crores from Jagat Seth Mehtab Chand, when the banker refused, Siraj-ud-Daulah slapped him in open court in front of his packed assembly

Giant Tortoises Roam Floreana Once Again

भू-स्खलन से तीस्ता नदी का प्रवाह प्रभावित हुआ

गंगटेक, 06 सितंबर। उत्तर सिक्किम के मंगन जिले में शनिवार देर रात से रविवार सुबह के बीच हुए बड़े भूस्खलन से तीस्ता और च्याकोङ नदियों का प्रवाह प्रभावित हुआ है।

भूस्खलन नागा वन क्षेत्र में नए नागा-तोंसा मार्ग की सड़क कटिंग के

- **किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है।**

ऊपर, थेंग सुरंग के सामने च्याकोङ नदी के ऊपरी हिस्से में हुआ। यह स्थान ओसी भीर के सामने तीस्ता और च्याकोङ नदियों के संगम के पास स्थित है।

भूस्खलन के कारण पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे आ गया, जिससे दोनों नदियों के प्रवाह में आंशिक रुकावट पैदा हुई। कुछ समय के लिए तीस्ता नदी का प्रवाह भी प्रभावित हुआ।

हालांकि, फिलहाल तीस्ता का पानी सामान्य रूप से बह रहा है। भूस्खलन के बाद तीस्ता और च्याकोङ दोनों नदियों में पानी जमा हुआ है, लेकिन दोनों का प्रवाह पूरी तरह बंद नहीं हुआ है।

अब तक किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। भूस्खलन से संपत्ति को कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से मौके की स्थिति और

(शेष पृष्ठ 6 पर)

यूएन के नए ग्लोबल मैप में जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के भ्रामक चित्रण पर एतराज

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत के क्षेत्रों को देश के अधिकारिक मानचित्र के अनुसार दर्शाया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 06 सितंबर। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के समान क्षेत्रफल वाले ग्लोबल मैप के समर्थन में मतदान तो किया है, लेकिन इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव किसी विशेष मानचित्र का समर्थन नहीं करता है और भारत के संप्रभु क्षेत्र को उसके आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दर्शाया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव किसी विशेष विश्व मानचित्र को न तो अपनाता है और न ही उसे प्रमाणित करता है और न ही इसमें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नामों सहित राजनीतिक मानचित्रकला पर कोई चर्चा की गई है।

फिर भी भारत ने अपने मत की व्याख्या का इस्तेमाल जम्मू और कश्मीर और लद्दाख पर अपनी स्थिति को दोहराने के लिए किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर

- **भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 4 सितम्बर के प्रस्ताव का समर्थन किया था। इस प्रस्ताव में ऐसे समान क्षेत्र वाले मानचित्रों के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है, जो महाद्वीपों से वास्तविक और तुलनात्मक आकार को सही रूप में दर्शाते हैं।**

जायसवाल के अनुसार,"जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों सहित भारत के संप्रभु क्षेत्र को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दर्शाया जाना चाहिए। किसी भी प्रकार का गलत या भ्रामक चित्रण अस्वीकार्य है। भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमारा रुख स्पष्ट, सुसंगत और अपरिवर्तनीय है।"

यह प्रस्ताव 164 मतों के भारी समर्थन से पारित हुआ, जबकि इसके विरोध में केवल एक मत पड़ा।

पुराने मर्केटर प्रोजेक्शन (जिसे 1569 में बनाया गया था) में ध्रुवों के पास के हिस्से बड़े दिखते थे, जिससे यूरोप और उत्तरी अमेरिका बड़े व अफ्रीका छोटा नजर आता था। नए समान क्षेत्रफल वाले नक्शे (जैसे एकर्ट फोर या इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन) में अफ्रीका का वास्तविक और बड़ा आकार सही अनुपात में दिखेगा।

भारत ने प्रस्ताव का समर्थन तो किया है, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट किया है कि देश की संप्रभुता और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के चित्रण पर उसका रुख पहले जैसा सख्त और स्पष्ट रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र का यह फैसला कानूनी रूप से बाध्य नहीं है, यानी यह किसी देश, स्कूल या टेक कंपनी को पुराना नक्शा तुरंत हटाने के लिए मजबूर नहीं करता।

लंदन जा रही फ्लाइट की बैंगलुरु में इमरजैंसी लैंडिंग

बेंगलुरु, 06 सितंबर। बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब लंदन जा रही वर्जिन अटलांटिक की एक उड़ान को उड़ान भरने के तुरंत बाद तकनीकी खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के आधिकारिक सूत्रों के

- **वर्जिन अटलांटिक के बोइंग विमान में सवार सभी 270 यात्री व क्रू मैंबर सुरक्षित हैं।**

अनुसार, बोइंग विमान में सवार सभी 270 यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

दरअसल, वर्जिन अटलांटिक की फ्लाइट सुबह करीब 8:20 बजे बेंगलुरु से लंदन के लिए टेकऑफ किया था। हवा में उठते ही चालक दल को विमान में किसी तकनीकी गड़बड़ी का अहसास हुआ।

सुरक्षा के मद्देनजर पायलटों ने बिना देर किए एहतियाती कदम उठाए और विमान का रुख वापस हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया। लैंडिंग के लिए सुरक्षित परिस्थितियां बनाने और मानक प्रोटोकॉल का पालन करने के उद्देश्य से विमान ने बेंगलुरु लौटने से पहले पास के तुमकुरु क्षेत्र के ऊपर आधे घंटे से

(शेष पृष्ठ 6 पर)

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर 17 करोड़ रूपए का सोना पकड़ा

नादिया जिले की हलदारापारा बॉर्डर आउटपोस्ट पर एक बांग्लादेशी नागरिक के पास तलाशी में यह बरामदगी हुई

कोलकाता, 06 सितंबर। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तस्करी के खिलाफ एक बेहद बड़ी और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुस्तैद जवानों ने गश्त के दौरान एक बांग्लादेशी नागरिक को भारी मात्रा में सोने के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी सोने की एक बड़ी खेप को भारतीय सीमा के भीतर पहुंचाने की फिराक में था।

बीएसएफ अधिकारियों द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम नादिया जिले के हलदारपारा बॉर्डर आउटपोस्ट के पास यह पूरी कार्रवाई की गई। इस इलाके की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफकी 32वीं बटालियन के पास है। तलाशी में बांग्लादेशी नागरिक के पास से कुल 89 सोने के बिस्किट बरामद किए गए, जिसका वजन 11.28 किलोग्राम से अधिक निकला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में

- **बांग्लादेशी नागरिक के पास 11.28 किलो के 89 सोने के बिस्किट पकड़े गए, जिसकी अनुमानित कीमत 17.28 करोड़ रूपए है। डीआरआई जाँच कर रही है कि इतनी बड़ी खेप भारत में किस सिंडीकेट के पास जा रही थी।**

इस जब्त सोने की कुल अनुमानित कीमत करीब 17.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सोने की इतनी बड़ी खेप बरामद होने के बाद बीएसएफके अधिकारियों और जवानों ने तुरंत उस बांग्लादेशी नागरिक को अपनी कस्टडी में ले लिया और सोने के बिस्किट राजस्व गुप्तचर निदेशालय को सौंप दिए।

निदेशालय की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सोने की इतनी बड़ी खेप को भारत में किस सिंडिकेट तक पहुंचाया जाना था और इसके पीछे कौन-कौन से बड़े तस्कर शामिल हैं।

चेन्नई में टी.वी.के. नेता की हत्या

चेन्नई, 06 सितंबर। तमिलनाडु के चेन्नई में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक मृतक ने हाल ही में सत्ताधारी टीवीके पार्टी जॉइन की थी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि छह लोगों के गैंग ने कन्नन पर हमला कर दिया। पूरी घटना चेन्नई के वन्ननदुरई इलाके की है। कन्नन की हत्या के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसके शव को कब्जे में

(शेष पृष्ठ 6 पर)

जेएनयू के प्रोफेसर के खिलाफ 10 छात्र-छात्राओं ने यौन उत्पीड़न की शिकायतें कीं

विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति गहनता से जाँच कर रही है, अभी तक पुलिस में एफआईआर नहीं

नई दिल्ली, 06 सितंबर। राजधानी दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर गंभीर विवादों के घेरे में है। विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर पर कई छात्र-छात्राओं ने यौन उत्पीड़न के बेहद संगीन आरोप लगाए हैं। मामला सामने आने के बाद से ही पूरे कैंपस में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल, विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक महीने पहले आईसीसी को कम से कम 10 छात्र-छात्राओं की ओर से प्रोफेसर के खिलाफ लिखित शिकायतें मिली थीं। इन

- **दस शिकायतें दर्ज होने के बाद कई सीनियर छात्रों ने भी इसी तरह के आरोपों के साथ लिखित शिकायतें समिति को दीं।**
- **विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक कोई अधिकारित प्रतिक्रिया या बयान नहीं आया।**

शिकायतों में प्रोफेसर पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए गए हैं।

छात्रों का मुख्य आरोप है कि प्रोफेसर उन्हें अक्सर किसी मुलाकात या सभा (मीटिंग) के बहाने कैंपस में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाते थे। आरोप है कि यहां वे उनके साथ यौन दुर्व्यवहार करने की कोशिश करते थे।

कुछ अन्य शिकायतों में यह भी दावा किया गया है कि प्रोफेसर का रवैया कक्षाओं के दौरान भी अमर्यादित रहता था और वे छात्र-छात्राओं पर अश्लील और अनुचित टिप्पणियां करते थे।

शुरुआती 10 शिकायतें के दर्ज होने के बाद, मामले ने और ज्यादा तूल

(शेष पृष्ठ 6 पर)

मोबाइल टावर लगाने के नाम पर ठगी करने वाला पंजाब से गिरफ्तार

जयपुर, 06 सितंबर। सोशल मीडिया पर मोबाइल टावर लगाने का विज्ञापन देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले शातिर आरोपी को मुरलीपुरा थाना पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को टावर लगाने के बदले मोटा किराया

- **आरोपी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर टावर लगाने के बाद मोटा किराया दिलाने के नाम पर ठगता था।**

मिलने का झांसा देता था। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को सुनाम-संगरूर (पंजाब) से पकड़ा।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि सोशल मीडिया पर मोबाइल टावर लगाने का विज्ञापन देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले शातिर

(शेष पृष्ठ 6 पर)

दिल्ली में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 5 छात्रों की मौत

पचास साल पुराने भवन में हॉस्टल चलता था व करीब 50 छात्र बिल्डिंग में मौजूद थे

नई दिल्ली, 06 सितंबर। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 5 छात्रों की मौत हो गई और 5 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। नौ छात्रों को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घटना दोपहर 1:30 बजे की है। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल

- **माना जा रहा है कि रविवार होने के कारण अधिकांश छात्र हॉस्टल में मौजूद थे।**
- **पास वाली बिल्डिंग भी गिरने की स्थिति में है। प्रशासन ने लोगों को निकाल कर इसे खाली करा लिया है।**

में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है, इसलिए लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख जताया है।

इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। तीन लोगों की मौत की पुष्टि के बाद, प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल (एक्स) पर दुख जताते हुए लिखा, जिन लोगों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता घटनास्थल का मुआयना करने के बाद एम्स के ट्रांमा सेंटर गईं और घायलों का हाल जाना। सीएम ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी दोषी पाया जाएगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और एनडीआरएफ के डायरेक्टर जनरल से बात कर जमीनी हालात का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ मिलकर तेजी से बचाव कार्य कर रहे हैं। घायलों को हर जरूरी मेडिकल मदद दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एहतियात के तौर पर बगल की इमारत को खाली करा लिया गया है। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने और प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद पहुंचाने की हरसंभव कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से कूद कर युवक ने जान दी

जयपुर, 06 सितंबर। मानसरोवर थाना इलाके में निर्माणाधीन बिल्डिंग की 13वीं मंजिल से छलांग लगाकर 25 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। उसका शव शुक्रवार रात बिल्डिंग के पास लहूलुहान हालत में मिला। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी सतीश चंद ने बताया कि सोडाला के रामनगर विस्तार निवासी गौरव शर्मा (25), पुत्र अरुण शर्मा, 4 सितंबर की देर शाम करीब 7 बजे घर से पैदल निकला था। वह घर से करीब

- **युवक सीतापुरा में एक आईटी कंपनी में काम करता था। मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला।**

तीन किलोमीटर दूर मानसरोवर में गंगा-जमुना पेट्रोल पंप के पास स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग में गया। पुलिस जांच में सामने आया कि गौरव सीढ़ियों के बंद रास्ते को कूदकर बिल्डिंग के अंदर गया और 13वीं मंजिल की छत से छलांग लगा दी।

बिल्डिंग के पास रात करीब 9 बजे गौरव का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। सूचना पर मानसरोवर थाना

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सांगानेर में लग्ज़री गाड़ी चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर, 06 सितंबर। जयपुर में स्कॉर्पियो सहित लग्ज़री वाहनों की चोरी करने वाले शातिर अंतर्राज्यीय वाहन चोर को मालपुरा गेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी अमोल उर्फ मनर उर्फ मनोहरी (42) निवासी सलेमपुर जिला दौसा को

- **गुरुग्राम की जेल में बंद आरोपी पर 30 से अधिक मामले दर्ज हैं।**

गुरुग्राम की भोंडसी जेल से प्रोडक्शन वारंट पर जयपुर लाकर गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने चोरी की स्कॉर्पियो कार दौसा के भांडारेज से लावारिस हालत में बरामद की है।

आरोपी के खिलाफ कुल मिलाकर

(शेष पृष्ठ 6 पर)

ए.आई. सर्वप्रथम किसी भी कंपनी के बार-बार दोहराने वाले (रैपिटेटिव) काम "टेक ओवर" करती है

यह काम पहले "एंट्री लैवल" के नवनियुक्त युवा करते थे तथा यह सीख कर "कैरियर की सीढ़ी" पर आगे बढ़ते थे

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। लाखों मध्यमवर्गीय भारतीयों के लिए पहली नौकरी का मतलब हमेशा केवल वेतन नहीं रहा है। पहली नौकरी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का पहला अनुभव होती है।

यह जानने का पहला मौका होता है कि किसी कार्यालय में काम कैसे होता है और यह बेहतर पद, अधिक वेतन और अंततः बेहतर जीवन की ओर बढ़ने का पहला कदम होती है।

लेकिन अगर यह पहला कदम ही गायब होने लगे तो क्या होगा?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन दोहराए जाने वाले कामों को तेजी से अपने हाथ में ले रही है, जो पहले नए स्नातकों और कनिष्ठ कर्मचारियों को दिए जाते थे। इससे यह सवाल और बड़ा हो गया है कि क्या एआई नौकरियां खत्म कर देगा। अगर युवाओं को शुरुआती स्तर की नौकरियां ही नहीं मिलेंगी, तो वे काम सीखेंगे कहां से?

एआई करियर की पहली सीढ़ी हटा सकता है

करियर की पारंपरिक सीढ़ी सरल थी। एक नया कर्मचारी कंपनी में शामिल होता था, नियमित काम संभालता था, वरिष्ठों से सीखता था और धीरे-धीरे बड़ी जिम्मेदारियां लेने लगता था।

एआई इस व्यवस्था को बदल रहा है। टैलेंटिफाई-एक्स के संस्थापक और सीईओ चेतन मंगलवेडे ने कहा, एआई मध्यमवर्गीय करियर की सीढ़ी की पहली पायदान को हटा रहा है।

नए कर्मचारी से अपेक्षित कौशल भी बदल रहे हैं। मंगलवेडे ने कहा, "अब शुरुआती स्तर के कर्मचारी को यह पता होना चाहिए कि एआई की निगरानी कैसे करनी है, उसकी गलतियों को कैसे पकड़ना है, सही निर्णय कैसे लेना है और ग्राहक को कैसे समझना है।"

- **अब ऑर्टिफिशल इंटैलिजैंस द्वारा यह जिम्मेवारी संभाल लेने से रोजगार तलाश रहे युवाओं से ये "एंट्री लैवल जॉब" छिन रहे हैं।**
- **अगर "एंट्री" ही नहीं हो पाई तो आगे रोजगार की क्या बात की जाए।**
- **यह एक काल्पनिक आशंका व भय नहीं है, वरन "एंट्री लैवल जॉब्स" की वास्तविक स्थिति है।**

अगर कंपनियां नियमित काम के लिए कनिष्ठ कर्मचारियों को रखना बंद कर देती हैं, तो वे आज अपनी लागत कम कर सकती हैं। लेकिन इसका नतीजा यह हो सकता है कि भविष्य में उनके पास अनुभवी कर्मचारियों की संख्या कम हो जाए।

मैस्टेक के सीएचआरओ और जनरल काउंसल विमल डांगरी का मानना है कि इसका समाधान केवल पुरानी नौकरियों को बचाना नहीं है। कंपनियों को इन नौकरियों की भूमिका नए तरीके से तय करना पड़ सकता है।

उन्होंने एनडीटीवी से कहा, "एआई केवल शुरुआती स्तर की नौकरियों की जगह नहीं ले रहा है; यह करियर की पूरी सीढ़ी की बुनियाद को बदल रहा है।" भविष्य में शुरुआती स्तर की नौकरियों में बार-बार किए जाने वाले कामों के बजाय समस्या का समाधान करने, सही निर्णय लेने, मिलकर काम करने और लगातार सीखते रहने पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है।

एआई एंड बियॉन्ड की सह-संस्थापक और सीईओ जसप्रीत बिंद्रा ने कहा कि सफल वे लोग होंगे जो तकनीक का इस्तेमाल करना जानते हों, लेकिन उस पर आंख मूंदकर निर्भर न हों। उन्होंने कहा, असल चुनौती यह नहीं है कि एआई लोगों की जगह ले रहा है, बल्कि यह है कि जो लोग खुद को बदल नहीं पाए, वे पीछे छूट सकते हैं।

इस कहानी का एक दूसरा पहलू भी है

ऑ इंफोसिस लिमिटेड की एंटरप्राइज आर्किटेक्चर, एआई और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन विशेषज्ञ तृप्ति रायकर ने कहा कि आखिरकार एआई कनिष्ठ स्तर की नौकरियों को अधिक सार्थक बना सकता है। तृप्ति ने एनडीटीवी से कहा, जब मशीनें दोहराए जाने वाले काम संभाल लेंगी, तो युवा कर्मचारी नवाचार, डिजाइन और निर्णय लेने के काम में जल्दी आगे बढ़ सकते हैं।

लेकिन इसमें एक समस्या है। निर्णय लेने में अच्छा बनने के लिए पहले

(शेष पृष्ठ 6 पर)

CMYK